यीशु ने अपने अनुयायियों को अपना शुभ समाचार दूसरों को बताने के लिये कहा

बच्चों को सिखायें कि शुभ समाचार साधारण शब्दों में कैसे बतायें।

प्रार्थना : प्रिय प्रभु बच्चों को प्रभु यीशु के शुभ समाचार के विषय में जानने और बताने के लिये मदद कीजिये।

बच्चों के सीखने वाली गतिविधियों में से किसी एक या सम्पूर्ण को चुनिये।

किसी बड़े बच्चे या शिक्षक को यीशु के जी उठने और फिर शुभ समाचार सुनाने की कहानी पढ़ने दें जो लूका 24:1-8 और 36-50 में मिलती है। यह कहानी बताती है कि हम कैसे शुभ समाचार को एक छोटे और सरल संदेश द्वारा सुना सकते हैं।

कहानी बताने के बाद पूछिये

- किस बात ने उसके चेलों को भयभीत कर दिया, जब उन्होंने यीशु को मृतकों में से जीवित देखा? *(उत्तर आयत 37)*
- यीशु ने उन्हें कैसे दर्शाया कि ये उसका वास्तविक शरीर है। *(39-43)*
- यीशु के विषय में भविष्य द्ववाणियाँ बाईबल में कहाँ पाई जाती हैं? *(44)*
- शास्त्रों में क्या कहा गया जो मसीह के साथ हुआ? *(46)*
- यीशु ने संदेशों में क्या घोषणा करने के लिये कहा? *(47)*
- यीशु ने अपने चेलों को किस वस्तु का आश्वासन दिया जो उन्हें मिलेगी "ऊपर से"? *(49)*
- चेलों ने यीशु को स्वर्ग में उठाये जाने के बाद क्या किया? *(52)*

शुभ समाचार की कहानी को अनेक भागों में नाटक के द्वारा प्रस्तुत कीजिये।

अपने समय को बच्चों के साथ इस नाटक को तैयार करने के लिये प्रयोग कीजिये।

आप इसे छोटा भी कर सकते हैं। बड़ें बच्चों और बालिगों को ये भाग अभिनय करने के लिये दें.

- वर्णन करने वाला कहानी का साराँश निकालिये और बच्चों को क्या कहना है ये याद करने में उनकी सहायता कीजिये।
- यीशु के लिये एक कुर्सी और मेज़ और कुछ साधारण खाना खाने के लिये तैयार रखें।

छोटे बच्चों को चेलों का भाग अभिनय करने के लिये दें।

नाटक, भाग 1, लूका 24:36-43

वर्णन करने वाला : कहानी का पहला भाग बतायें (आयत 36-43) कहें, "सुनो चेले क्या कहते हैं"

चेले : "क्या यीशु जीवित हो सकता है?" क्या वह मृतकों में से फिर जीवित हुआ? "पतरस ने कहा उसने उसे देखा है।" दो चेले जो इम्माऊस से थे उन्होंने कहा कि उन्होंने उसे देखा है!" "मैं विश्वास नहीं करता है।"

यीशु : "शान्त हो जाओ मैं तुम्हारे सात हूँ।"

चेले : भयमीत दिखाते हुये। दबी हुई आवाज़ में कहें। अरे नहीं! "ये तो एक भूत है!" "मुझे डर लग रहा है।"

यीशु : "मैं भूत नहीं हूँ। मुझे छुओ! और मुझे देखो। मुझे कुछ खाने को दो एक भूत खाता नहीं है क्योंकि उसकी देह नहीं होती।" मेरी एक देह है।

चेले : यीशु को कुछ खाने के लिये दें। कहें, "देखो वह मछली खा रहा है। ये भूत नहीं हो सकता।"

नाटक, भाग 2, लूका 24:44-53

वर्णन करने वाला : कहानी का दूसरा भाग बतायें (आयत 44:53) कहें, "सुनो यीशु क्या कहता है।"

यीशु : तुम आश्चर्यचकित क्यों हों? बाईबल में तुम्हें बताया गया है कि मेरे साथ यह सब होगा। मुझे दुख उठाना, मरना और फिर जीवित होना है।

चेले : "कितना अद्‌भुत। हमने तो कुछ समझा ही नहीं।"

यीशु : अब तुम्हें मेरे नाम से मन फिराव और पापों की क्षमा की घोषणा सभी देशों के लोगों से करनी है। परन्तु तुम्हें तब तक प्रतीक्षा करनी है जब तक कि मेरा पिता अपनी आत्मा भेजे ताकि तुम उसकी शक्ति के द्वारा गवाही दे सकों। आओ हम सब चलें।"

सब : एक पल के लिये सब एक साथ चलते हैं।

यीशु : उनको आशीष देने के लिये अपने हाथ बढ़ाना और फिर "स्वर्ग" में जाना (कुर्सी या मेज़ पर चढ़ना)

चेले : घुटनों के बल बैठकर परमेश्वर की स्तुति के लिये स्तुति गीत को एक आयत गाते हैं। खड़े होकर कहते हैं "यीशु ही प्रभु है" "हम उसकी स्तुति और सेवा सम्पूर्ण हृदय से करेंगे!" हम प्रत्येक को उसके विषय में बतायेंगे।"

वर्णन करने वाला या बड़ा बच्चा: उन सब का धन्यवाद जिन्होंने नाटक करने में हमारी सहायता की। श्रोताओं को धन्यवाद जिन्होंने हमें सुना।

कीसिया के नेता के साथ तैयार कीजिये बच्चों के लिये:

- स्तुति समय के बीच बालिकों के समक्ष नाटक को प्रस्तुत करें।
- श्रोताओं से उन प्रश्नों को पूछिये जो कि इस अध्ययन के आरंभ में बताये गये हैं।
- कविता प्रस्तुत कीजिये चित्रों को दिखायें और वह सब भी जो उन्होंने तैयार किया है।

बच्चों से पूछिये...कि वह ऐसे कुछ उदाहरण बतायें जो कि हम शुभ समाचार साधारण शब्दों में बता सकते हैं? (रेलगाड़ी में मित्रों से मिलने के समय इत्यादि) लोगों को उदाहरण देने दीजिये।

क्रूस का चित्र बनायें और बच्चों को उसकी नकल करने को कहें।

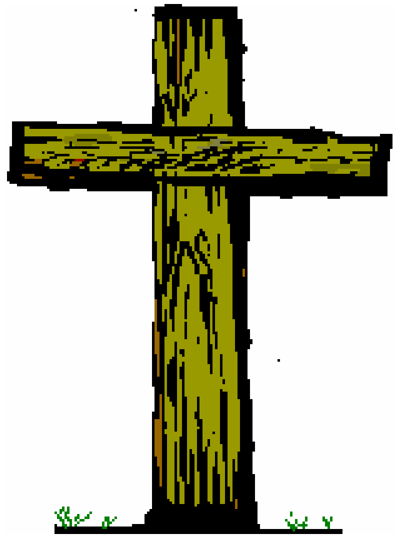

- बड़े बच्चे छोटों की सहायता करें।
- उन्हें श्रोताओं को आराधना समय में चित्रों को दिखाने और समझाने दें कि यीशु ने कैसे दुख उठाया और मरा।
- उन्हें शुभ समाचार तीन भागों में बताने दे:

1. यीशु ने हमारे पापों के लिये सज़ा पाई और मरा
2. वह मृतकों में से जी उठा और सदा के लिये जीवित है
3. परमेश्वर हमारे पापों को क्षमा करके हमें नया जीवन देता है।

उस शुभ समाचार को याद करें जो हमें **लूका 24:46-49** में मिलता है। छोटे बच्चे केवल आयत 46 याद कर सकते हैं।

कविता : तीन बच्चों को भजन संहिता 13:3,4 और 5 इन पदों को बोलने दो।

प्रार्थना : "प्रिय प्रभु यीशु आपने हमारे लिये दुख सहा और मरे जैसे कि शास्त्रों में उसका उल्लेख है। आप तीसरे दिन फिर जी उठे। आपने हमें आपके नाम के द्वारा अपने पापों से पश्चाताप और क्षमा किया। आपने अपनी आत्मा को भेजा ताकि हम उसकी शक्ति के द्वारा दूसरों को शुभ समाचार बता सकें आपने हमें आनन्द से भरा"।